रणजीत टाइम्स

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर बुधवार 18 फरवरी 2026 | Digital Edition | प्रधान संपादक : गोपाल बावड़े

असम में सिंगल फेज में हो सकता है विधानसभा चुनाव

गुवाहाटी । असम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक असम की सभी 126 सीटों पर सिंगल फेज में वोटिंग की संभावना है। मार्च के पहले हफ्ते यानी 4-8 मार्च के बीच तारीखों का ऐलान हो सकता है। अप्रैल के पहले हफ्ते में वोटिंग हो सकती है। असम में 10 साल से भाजपा की सरकार है। पार्टी तीसरे चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पीएम मोदी 6 महीने में 4 बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। यहां पार्टी ने 126 सीटों में से 100+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है। असम में बांग्लादेश, घुसपैठियों/सीमा सुरक्षा, असमिया पहचान जैसे मुद्दे हैं। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस ने 10 पार्टियों के साथ गठबंधन किया है।

अमीषा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

मुंबई। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव के बाद अब एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 के एक इवेंट विवाद से जुड़े मामले में मुरादाबाद की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। हालांकि, इन खबरों पर अब एक्ट्रेस ने अपनी प्रति या दी है। इस मामले पर प्रति या देते हुए अमीषा पटेल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, मीडिया में मुरादाबाद में पवन वर्मा द्वारा की गई कुछ कार्यवाही को लेकर खबरें चल रही हैं। मैं सभी को बताना चाहती हूं कि यह बहुत पुराना मामला है, जिसमें पवन वर्मा ने सालों पहले समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे और पूरी सहमति राशि प्राप्त कर ली थी। उन्होंने आगे कहा, इसके बावजूद उन्होंने झूठे आरोप लगाकर फिर से मामला शुरू कर दिया है।

लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की जरूरत - मोहन भागवत

लखनऊ । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की जरूरत है। भागवत में कहा कि घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटें, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा।दो दिन के लखनऊ दौरे पर आए मोहन भागवत ने लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बढ़ते घुसपैठ पर चिंता जताते हुए कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है।

इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले

भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलीकॉप्टर बनाएगा

मुंबई ।

इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फोरम में पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलिकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा। मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है।

स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे। इससे पहले दोनों देशों के बीच संबंध स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप लेवल के थे। यह पार्टनरशिप साल 1998 में शुरू हुई थी। इसके बाद मैक्रों ने इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फोरम को संबोधित करते हुए कहा दुनिया के कई बड़ी कपनियों के सीईओ भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, एडोबी और पालो आल्टो नेटवर्क्स के सीईओ भारतीय हैं। अब भारत लीडरशिप करने वाला देश बन गया है।इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फोरम में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो ने कहा कि डिफेंस सेक्टर में फ्रांस, 'मेक इन इंडिया' का भरोसेमंद साथी है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर नए जमाने के इंजन, मल्टी-रोल हेलिकॉप्टर, मॉर्डन फाइटर जेट्स और पनडुब्बियां बनाने पर काम कर रहे हैं। मैक्रों ने कहा कि यह सिर्फ रक्षा सौदों तक सीमित बात नहीं है, बल्कि यह दो बड़े देशों की मजबूत साझेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस जमीन, समुद्र और आसमान हर सेक्टर में अपनी इच्छा और भरोसे के साथ एक-दूसरे के साथ खड़े हैं। उन्होंने स्पेस सेक्टर का भी जिक्र किया और कहा कि त्रिशना सैटेलाइट इस बात का उदाहरण है कि जब साइंटिस्ट और इंडस्ट्री मिलकर काम करते हैं तो बड़े नतीजे सामने आते हैं। मैक्रों ने कहा कि भारत में सिविल और न्यूक्लियर सेक्टर में भी कई पहल चल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन का मतलब सिर्फ बड़ी तकनीकी उपलब्धियां नहीं होता, बल्कि इसका मकसद आम लोगों की जिंदगी को बेहतर, और सुरक्षित बनाना भी है।

हाथों में दूषित पानी लेकर विधानसभा पहुंचे विधायक, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

भोपाल । एजेंसी

मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के आज दूसरे दिन यानी मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस ने इंदौर के भागीरथपुरा के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस विधायक हाथों में दूषित पानी और तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विपक्ष ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ ही मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वहीं इस पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने पलटवार भी किया हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर पलटवार किया है। भाजपा

विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा का कांग्रेस को नैतिक रूप से इस्तीफा मांगने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस की नीतियों के कारण यह स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस ने जो किया, हम आगे सुधारेंगे।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार टैक्स लेती है तो क्या स्वच्छ पानी पिलाने की जवाबदारी नहीं है। राज्यपाल के अभिभाषण में कहते है मेरी सरकार स्वच्छ पानी पिला रही है, तो कहां स्वच्छ पानी मिल रहा है ? सरकार क्यों बहस से डर रही है। इंदौर की जनता श्मशान घाट जा रही है और मंत्री कुर्सी पर बैठे हुए है। तत्काल मुख्यमंत्री को मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए। दरअसल, इंदौर में हुए पानी कांड ने मध्य प्रदेश समेत पूरे देश को झकझोर कर रखा दिया था। भागीरथपुरा इलाके में दूषित (गंदा) पानी पीने से 25 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। हालांकि सरकारी रिकॉर्ड में आंकड़ें अलग है। इस मामले पर जमकर सियासत भी हुई थी।

सुकमा में 22 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिला में मंगलवार को 22 सक्रिय माओवादियों ने शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण किया है। यह जानकारी एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने दी। सभी माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सुकमा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला माओवादी भी शामिल है, जो लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई थी।एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि नक्सल मुक्त अभियान बस्तर के तहत जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। इससे माओवादी संगठन समाप्ति की ओर है।

श्रमिकों के बच्चों का शैक्षणिक उत्थान हमारी प्राथमिकता : मंत्री श्री पटेल

भोपाल । एजेंसी

मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल की 64वीं बैठक में श्रमिकों के बच्चों के शैक्षणिक उत्थान को केंद्र में रखते हुए मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन देने और प्रारंभिक स्तर पर कॅरियर काउंसलिंग की व्यवस्था विकसित करने पर प्राथमिकता दी गई। श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराना मंडल की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मंडल की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों को इन अवसरों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में मंडल का आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट माननीय सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में श्रम सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन, कल्याण आयुक्त श्री संजय कुमार एवं श्रमिकों एवं नियोजकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों और कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखना शासन की जिम्मेदारी है। वेतनमान से जुड़े

मामलों में देरी कार्यकुशलता को प्रभावित करती है, इसलिए सभी लंबित प्रकरणों की सूची बनाकर त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही भविष्य निधि (ईपीएफ) से जुड़ी समस्याओं के समाधान और सामाजिक सुरक्षा अंशदान जमा न करने वाले प्रिंसिपल एम्प्लॉयर की जानकारी पोर्टल पर सार्वजनिक करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण, श्रमिक कल्याण योजनाओं की प्रगति, खेल एवं कौशल विकास गतिविधियों तथा नवीन श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में श्रम सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन ने बताया कि श्रम कल्याण बोर्ड में संपूर्ण कंप्यूटरीकरण एमपीएसईडीसी के माध्यम से किया जा रहा है। श्रम विभाग द्वारा नवीन श्रम संहिताओं पर संभागीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें से एक भोपाल में संपन्न हो चुकी है। इन संहिताओं के आधार पर राज्य में श्रम कानूनों में संशोधन किए जा रहे हैं। बैठक में बताया गया कि चचाई और इंदौर में सिलाई केंद्रों को पुन: प्रारंभ किया जा रहा है। वर्तमान में 27 श्रम कल्याण केंद्रों में से 17 में सिलाई-कढ़ाई केंद्र संचालित हो रहे हैं। कौशल विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का परीक्षण कराया गया है।मंडल के अंतर्गत संचालित श्रम कल्याण केंद्रों के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण, राष्ट्रीय पर्व, विश्वकर्मा जयंती जैसे आयोजन नियमित रूप से किए जा रहे हैं। श्रमिकों के लिए कंप्यूटर केंद्र भी संचालित हैं। बैठक में खेल प्रतियोगिताओं की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया। बताया गया कि खेलों के माध्यम से श्रमिकों का सर्वांगीण विकास संभव है। साथ ही नियमित कर्मचारियों को समयमान वेतनमान के एरियर भुगतान को शीर्ष प्राथमिकता देने की बात कही गई। भविष्य निधि (ईपीएफ) से जुड़ी समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा हुई। अंत में सभी सदस्यों ने श्रमिक एवं कर्मचारी हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया।

चिड़ार समाज के पुस्तैनी चल समारोह ने रचा इतिहास

खुशबू श्रीवास्तव

65 शिव मन्दिर मुसाखेड़ी इन्दौर में चिड़ार समाज द्वारा बाबा नर्मदेश्वर महादेव की पालकी यात्रा एवं चल समारोह बड़े ही हर्ष के साथ धूम धाम से निकाला गया जिसमें ऊंट, घोड़े, बैंड बाजे , ढोलक और डीजे की गाड़ी अंकित ईश्वरी ने लगाई चिड़ार समाज के भाई, बन्धु,युवा साथियों के साथ मात्र शक्ति ने भी जमकर डांस किया लोगो ने चिड़ार समाज की पालकी यात्रा एवं चल समारोह का कई जगह मंच लगाकर स्वागत किया गया चिड़ार समाज के नए निर्वाचित जिला अध्यक्ष जितेंद्र शेरा ओर नए निर्वाचित चिड़ार समाज के जिला सचिव नितिन चंदेल का स्वागत फूल माला एवं पुष्प बरसते हुए मुसाखेड़ी के लोगो ने कई जगह मंच लगाकर जितेंद्र शेरा और नितिन चंदेल का भव्य स्वागत हुआ चिड़ार समाज के लोगो पर मुसाखेड़ी वाशियो ने पुष्प की वर्षा की गई इस विशेष ओर ऐतिहासिक उपलब्धि पर चिड़ार समाज के लोगो ने जिला अध्यक्ष जितेंद्र शेरा ओर जिला सचिव नितिन चंदेल और उनकी पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद प्रेषित किया गया और चिड़ार समाज के लोगो ने कहा जबसे आप दोनों जिला स्तर पर चुनाव जीत कर आए हो तब से ही चिड़ार समाज के लोगो में एक अलग ही जज्बा और उत्साह देखने को मिल रहा है जो लोग पहले नहीं आते थे वोह लोग भी प्रोग्राम में आने लगे है इतना विशाल जन सैलाब आज से पहले कभी पालकी यात्रा एवं चल समारोह में कभी नहीं देखने को मिला चिड़ार समाज की इस भव्य एवं सफल यात्रा के लिए जिला अध्यक्ष जितेंद्र शेरा ओर जिला सचिव नितिन चंदेल और उनकी टीम को पूरे चिड़ार समाज ने दिल से दुआ दी है और कहा आप दोनों ऐसे ही चिड़ार समाज का नाम रोशन करो और एक नई ऊंचाई पल लेकर जाओ और शुभकामनाएं आपके साथ है

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

युवा छात्र नेता शाहरुख पटेल को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व, संघर्षशीलता और छात्र हितों के प्रति समर्पण ने समाज में एक सकारात्मक पहचान स्थापित की है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सफलता प्रदान करें। आपका जीवन सदैव नई ऊंचाइयों को छूता रहे और आप इसी तरह विद्यार्थियों की आवाज बनकर समाज में परिवर्तन की नई मिसाल कायम करते रहें।

अशोकनगर. गोलू यादव . जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा तहसील चंदेरी के ग्राम खैरा निवासी पुष्पेंद्र तिवारी को कैंसर के उपचार हेतु 20000 की राशि का चेक मौके पर प्रदान किया।

बेहतर कार्य का मिला ईनाम.. पुलिस कमिश्नर से पाया सम्मान....

इंदौर.आदित्य शर्मा

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने, अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर आरोपियो को गिरफ्तार करने वाले 10 पुलिसकर्मियों सहित कुल 13 पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों को किया सम्मानित।

पुलिसिंग के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 13 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर, की उनके कार्यो की सराहना।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में आम नागरिकों के लिए बेहतर पुलिसिंग को ध्यान मे रखते हुए, इसके लिए अच्छे कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों के उत्साहवर्धन हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन मे साप्ताहिक कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत ऐसे अधिकारी/ कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है, जिन्होंने पुलिसिंग के अपने कर्तव्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो। साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के अंतगर्त आज दिनांक 17.02.26 को पलासिया स्थित कार्यालय में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले निम्न 13 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरुस्कार से सम्मानित कर बधाई दी और उन्हें आगे भी ऐसे ही बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप./मुख्या.) श्री आर. के. सिंह सहित उपस्थित अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी पुरुस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्य की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया।

उनि संजय धुर्वे, उनि शुभम पाण्डे, प्र.आर. 1898 कमलेश चावडा, प्र.आर. 2021 चरणसिंह, आर 3998 सुखवेन्द्र, आर 2389 प्रमोद मावई, आर 363 धर्मेंद्र ओझा, आर 2835 नागेंद्र सिंह, आर 820 रामकुमार त्यागी, आर 3720 जितेंद्र गोयल थाना बाणगंगा - थाना बाणगंगा क्षेत्रांतर्गत हुए अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर 02 आरोपियो को गिरफ्तार करने व घटना मे प्रयुक्त हथियार जप्त करने मे महत्वपुर्ण भूमिका निभाने पर। म.आर 284 रानू थाना यातायात- यशवंत रोड चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने मे सराहनीय भूमिका निभाने पर। आर 3682 सुमंत सिंह कछावा थाना यातायात- सड़क सुरक्षा माह एवं ट्रैफिक प्रहरी अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने मे सराहनीय भूमिका निभाने पर। आर 117 प्रदीप मनिहां थाना यातायात- नो एंट्री पांइट बिचोली अंडर ब्रिज पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने मे सराहनीय भूमिका निभाने पर।

फाल्गुनी महाशिवरात्रि पर 5वें रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन

नई दिल्ली। राजेश धाकड़

फाल्गुनी महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वैदिक आध्यात्मिक संस्कृति उत्थान के तत्वावधान में मोहन गार्डन स्थित सत साहेब गार्डन में 5वें रुद्राभिषेक का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रुद्राभिषेक वैदिक विधि-विधान से वाराणसी के आचार्य पंडित ऋषिकेश तिवारी जी एवं श्री सुरेश त्रिपाठी जी द्वारा, ड्रूस संस्था के संस्थापक पंडित धनंजय तिवारी जी की उपस्थिति में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा पंडित नंदकिशोर मिश्रा जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारत हिंदू महासभा), राही संस्था के संस्थापक डॉ. उमाकांत शर्मा जी एवं भगवान शर्मा जी रहे। विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में सुदर्शन न्यूज़ राष्ट्र निर्माण के राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. पवन आर्य जी ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। रुद्राभिषेक एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने देश, समाज एवं विश्व कल्याण की कामना की।

आयोजन को सफल बनाने में ड्रूस के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा। विशेष रूप से आशीष रंजन, हृदेश वर्मा, वासुदेव तिवारी, राकेश पांडेय, कमलेश सिंह, एम.पी. त्रिपाठी, गोपाल जायसवाल, अमित पांडेय, प्रशंजित जी, दीपक मिश्रा, राजेंद्र गिरी, सतनदेव जी, प्रभुनाथ महतो एवं विभेष जी का सहयोग सराहनीय रहा।

आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प दोहराया।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर इंदौर हुए प्रत्येक आवेदक से रूबरू जानी उनकी समस्याएं

इंदौर.आदित्य शर्मा

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का निराकरण करनें एवं समस्याओं का त्वरित समाधान करनें के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती हैं। जिसके तारतम्य में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 17.02.26 को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई में आमजन की शिकायत एवं समस्याओं को सुना तथा त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दियें। जनसुनवाई के दौरान आज 57 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमे प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने, प्लाट/ जमीन की धोखाधड़ी संबंधी विवाद, महिला अपराध संबंधी एवं अन्य पुलिस से संबंधित समस्याओं लेकर आमजन आए। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक के साथ संवाद कर, उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तत्काल कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर है। इस दौरान अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) इंदौर श्री अमित सिंह एवं सभी ज़ोन के अन्य अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार संबंधित आवेदकों की समस्याओं विस्तार पूर्वक सुन कार्यवाही की गई।

वन अधिकार अधिनियम 2006 अंतर्गत प्रशिक्षण का आयोजन

शहडोल .प्रदीप सिंह बघेल

मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रावधानों, विशेषकर सामुदायिक वन अधिकारों तथा धारा 3(1)(प) के अंतर्गत उल्लिखित सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी अधिकारों को मान्यता प्रदान किए जाने के विषय में जिले में अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रथम दिवस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले की उपखण्ड स्तरीय अधिकारियो में एसडीएम, उप वन मंडलाधिकारी, संबंधित क्षेत्र के सीईओ जनपद पंचायत, बीईओ, वन अधिकार समितियों के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया। जिसमें अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, प्रक्रियाओं एवं ग्राम सभा की भूमिका पर विस्तारपूर्वक जानकारी राज्य स्तरीय मास्टर्स ट्रेनर्स श्री राहुल श्रीवास्तव, श्री हरी मरावी, एवं चरण परते द्वारा प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान जिले के ग्रामों में सामुदायिक वन अधिकारों के प्रबंधन एवं संरक्षण के संबंध में ग्राम सभा द्वारा गठित वन अधिकार समिति एवं वन प्रबंधन समिति की भूमिका स्पष्ट की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार ग्राम सभाओं को प्रदत्त अधिकारों के अनुरूप वन संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण एवं पुनर्जीवन (रिजनरेशन) सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही औषधीय पौधों, लघु वनोपज, गोंद उत्पाद तथा बांस (बाम्बू) आदि के संरक्षण, संवर्धन एवं विक्रय की प्रक्रिया के संबंध में भी विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री काजोल सिंह, श्रीमती अमृता गर्ग, श्री भागीरथी लहरे, श्री दीपक मंडावी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनंद राय सिंहा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, अशासकीय एवं शासकीय समितियो के सदस्य उपस्थित रहें।

स्थाई वारंटी तामील अभियान में राजगढ़ थाना पुलिस की बड़ी सफलता, दो साल से फरार 2 वारंटी गिरफ्तार कर भेजा जेल

दिलीप पाटीदार.राजगढ़

राजगढ़ थाना पुलिस ने जिले में चलाए जा रहे विशेष स्थाई वारंटी तामील अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो साल से फरार चल रहे दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया है। लंबे समय से पुलिस को इन आरोपियों की तलाश थी और ये लगातार गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहे थे।

माह फरवरी में चलाये जा रहे स्थाई वारंट तामील अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक धार श्री मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल बेलापुरकर के निर्देशन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सरदारपुर श्री विश्वदीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन एवं राजगढ थाना प्रभारी समीर पाटीदार के नेतृत्व में स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु एक टीम का गठन किया गया । राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया टीम द्वारा 02 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी 1- रेमलिया उर्फ रेमू पिता बिसन गिरवाल उम्र 25 साल निवासी चौबारा थाना राजगढ जिला धार 2- संजू उर्फ संजय पिता शम्भू भाभर उम्र 26 साल निवासी नवापाडा भण्डारिया थाना कल्याणपुरा जिला झाबुआ को दिनांक 17.02.2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय सरदारपुर मे पेश किया गया, न्यायालय से दोनो स्थाई वारंटियों का जेल वारंट प्राप्त होने पर वारंटियों को उपजेल सरदारपुर भेजा गया ।

थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। फरार आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उक्त स्थाई वारंटी को पकडने में सउनि सैय्यद अहमद, सउनि रईश खान, सउनि जितेन्द्र सांकला, प्रधान आरक्षक प्रकाश वसुनिया, आरक्षक नरेश मेडा, आरक्षक राकेश बघेल, आरक्षक राकेश सिंगार, आरक्षक सुभाष परमार, आरक्षक भगवती प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही है । पुलिस अधीक्षक धार श्री मयंक अवस्थी ने उचित ईनाम की घोषणा की हैं ।

आत्मा का ज्ञान ही शाश्वत व सनातन है

सहजयोग ध्यान द्वारा विश्व भर में अनेकानेक लोगों ने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राप्त किया है। सहजयोग पद्धति द्वारा लोगों के समाजिक व आध्यात्मिक उत्थान के भी अनेक उदाहरण उपलब्ध हैं ।

प्रश्न उठता है सहजयोग क्या है?

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रति- स्थापित एक सहज ध्यान पद्धति है जिसमें कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है। तत्पश्चात् नियमित ध्यान- धारणा द्वारा मानव शरीर में स्थिति चक्रों व नाड़ियों को संतुलन प्राप्त होता है। यही संतुलन हमें अर्थ अन्तर्परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है। शनैः शनैः बिना किसी बाहरी दबाव व प्रेरणा के %हमारे विचारों, जीवन मूल्यों, में परिवर्तन आने लगता है, सही व गलत स्वयं ही सहज में हमारे समक्ष प्रकट होने लग?ता है। जैसे-जैसे हम सहजयोग में दृढ़ होते जाते हैं सारे प्रेम व आनन्द के मायने बदलते जाते हैं। माया जो कि जीवन में अभाव का दूसरा नाम है हमें प्रभावित नहीं कर पाती। आत्मा का ज्ञान ज्यों ही हमारी मध्य नाड़ी तंत्र को प्रकाशित करता है व हमारी शाश्वत शक्ति, कुण्डलिनी ब्रह्मरंध्र का भेदन करती है तो हमारा संबंध चैतन्य के रूप में प्रवाहित परम पिता की ऊर्जा से हो जाता है। अतः सहजयोग ऊर्जा का विज्ञान है। सहजयोग आत्मा के परमात्मा से लय होने की प्रक्रिया है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति इस प्रक्रिया का सह उत्पाद है।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती और इसमें सांसारिक जीवन का त्याग नहीं होता है। यदि सहजयोग का परिचय बालपन में ही दिया जाए तो बच्चों का चहुंमुखी विकास सहज ही में हो जाता है। वे एकाग्रता, अनुशासन, तीव्र स्मरणशक्ति, व शैक्षणिक व व्यवसायिक सफलता को सहज ही में प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं। किसी भी परिस्थिति में अनैतिकता उन्हें छू भी नहीं पाती क्योंकि स्वयं पावित्र्य के प्रतीक श्री गणेश आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् उनके भीतर जागृत हो जाते हैं। इस प्रकार सहजयोग प्रत्येक आयु वर्ग, प्रत्येक धर्म तथा महिला व पुरुष दोनों के लिए परमशक्ति से एकाकारिता का अनमोल माध्यम है। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

शहर में भूमाफिया के हौसले बुलंद,अब मन्दिर की पार्किंग जमीन पर डाली नजर

शहडोल .प्रदीप सिंह बघेल

शहर के हृदयस्थल में स्थित प्रसिद्ध श्री विराटेश्वरी धाम दुर्गा मंदिर इस समय विवादों के घेरे में है मामला मंदिर के सामने स्थित सार्वजनिक पार्किंग भूमि पर अवैध कब्जे का है जो कि अब तूल पकड़ता जा रहा है। श्री दुर्गा माता सेवा समिति ने इस संबंध में कलेक्टर शहडोल को ज्ञापन सौंपकर अवैध निर्माण हटाने और पार्किंग व्यवस्था को पहले की तरह बहाल कराने की मांग की है। समिति द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि मंदिर परिसर के सामने की नजूल भूमि पूर्व में श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग हेतु आवंटित की गई थी। पूर्व कलेक्टर डॉ. सत्येंद्र सिंह द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह भूमि सार्वजनिक पार्किंग के रूप में सुरक्षित की गई थी तथा नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा वहां बैरियर भी लगाया गया था। आरोप है कि कुछ भू-माफियाओं द्वारा उक्त भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर बैरियर को तोड़ दिया गया और वहां तीन दुकानों का निर्माण कर शटर लगा दिए गया हैं। जानकारी के अनुसार इन दुकानों को अब लाखो रुपये में बेचने की तैयारी की जा रही है। समिति का कहना है कि यदि इन दुकानों का संचालन प्रारंभ हो गया तो पार्किंग स्थल बाधित होगा और श्रद्धालुओं को वाहन खड़ा करने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साथ ही आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो सकती है। एक सप्ताह के अंदर अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जायेगा.ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि अवैध निर्माण तत्काल हटाकर पूर्ववत बैरियर का निर्माण कराया जाए। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो समस्त श्रद्धालु कलेक्टर कार्यालय के समक्ष धरना-आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। मामला सामने आने के बाद शहर में आमजनो के बीच बातचीत का दौर शुरू हो गया है और लोगों की नजर अब प्रशासन की तरफ लगी है कि प्रशासन द्वारा इस मामले पर क्या कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में 'क्षीर धारा ग्राम' योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन दुगुना करने के लिए एवं पशुपालन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संचालित 'क्षीर धारा ग्राम' योजना संचालित है। जिसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पशुपालन विभाग, वन विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक में कलेक्टर ने योजना के मुख्य उद्देश्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान केंद्रित कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट पशुपालकों को प्रोत्साहित कर मॉडल ग्राम विकसित किए जाएं, जिससे अन्य ग्रामों को भी प्रेरणा मिल सके।

बैठक में उच्च नस्ल से शत-प्रतिशत गर्भाधान, पशुओं की टैगिंग एवं टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा चारा उत्पादन को बढ़ावा देने संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि हरे चारे के उत्पादन हेतु किसानों को प्रेरित करते हुए चारा बीज मिनीकिट का वितरण प्राथमिकता से किया जाए। साथ ही गोबर एवं गोमूत्र के वैज्ञानिक प्रबंधन जैसे जैविक खाद निर्माण एवं गोबर गैस संयंत्र स्थापना को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बैठक में अवगत कराया गया कि ग्रामवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रथम वर्ष में चयनित 86 ग्रामों में आधारभूत सर्वेक्षण कर वास्तविक स्थिति का

आकलन किया जाएगा। इसके उपरांत रोस्टरवार सघन बधियाकरण अभियान, बांझपन निवारण शिविर, सघन टीकाकरण अभियान एवं पशुपालक जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजने एवं अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। निर्धारित मापदंडों की पूर्ति उपरांत जून 2026 तक ग्रामों का सत्यापन एवं प्रमाणन कर सफल ग्रामों की घोषणा की जाएगी। द्वितीय वर्ष में टीकाकरण एवं टैगिंग अभियान को सुदृढ़ करते हुए शत-प्रतिशत गर्भाधान का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा तथा चारा बीज मिनीकिट वितरण को विस्तार दिया जाएगा। पात्र ग्रामों को वर्षांत तक 'क्षीर धारा ग्राम' घोषित किया जाएगा। तृतीय वर्ष में गहन हस्तक्षेप के साथ पशु स्वास्थ्य शिविर, उच्च नस्ल से गर्भाधान, 100 प्रतिशत टीकाकरण एवं टैगिंग सुनिश्चित करते हुए जिले के सभी पात्र ग्रामों को योजना अंतर्गत शामिल कर प्रमाणित किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पशुपालन विभाग, वन विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। वन क्षेत्रों की पाँच किलोमीटर परिधि में स्थित ग्रामों को संयुक्त प्रयासों से चरणबद्ध रूप से विकसित किया जाएगा।

जिले में दुग्ध उत्पादन आधारित समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में ठोस एवं दीर्घकालिक पहल सुनिश्चित की जा रही है, जिससे पशुपालकों की आय में वृद्धि एवं ग्राम स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण संभव होगा। इस दौरान वनमंडलाधिकारी श्री भारत सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, उप संचालक कृषि श्री एन एस रावत, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. ए एस दिवाकर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर नेहा मीणा ने जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर सभा कक्ष में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, कुपोषण उन्मूलन, टीएचआर वितरण सहित विभिन्न पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की परियोजनावार गहन समीक्षा की। खराब प्रदर्शन करने वाले सुपरवाइजर्स को नोटिस जारी करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रमाण-पत्र प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुपातिक लक्ष्य की अपेक्षा वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति पर विशेष जोर दिया जाए। साथ ही प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने हेतु लक्ष्य के विरुद्ध 10%, 20% एवं 50% प्रगति वाली आंगनवाड़ियों की दैनिक रिपोर्ट तैयार कर प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

लाड़ली बहना योजनान्तर्गत 81,419 बालिकाओं के समग्र सत्यापन में से 47,269 सत्यापन पूर्ण होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने शेष सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए वीएचएसएनडी सत्रों में व्यापक मोबिलाइजेशन, भगोरिया पर्व के दौरान विशेष अभियान चलाने तथा ग्राम सचिवों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान 12,365 के लक्ष्य के विरुद्ध 83.40 प्रतिशत उपलब्धि की जानकारी प्रस्तुत की गई। झाबुआ परियोजना में अपेक्षाकृत खराब प्रगति पर संबंधित सीडीपीओ को नोटिस जारी करने तथा कमजोर प्रदर्शन वाली आंगनवाड़ियों का निरीक्षण कर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त फेस रिकग्निशन, अपार आईडी, आभा आईडी, हॉट कुक्ड मील एवं टीएचआर वितरण की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन अंतर्गत पोषण ट्रैकर एप पर सैम , मैम एवं एसयूडब्ल्यू बच्चों के चिन्हांकन एवं पंजीयन कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एमोक्सिसलीन सिरप की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। प्री-स्कूल एजुकेशन की समीक्षा में पुस्तकों एवं मोंटेसरी खिलौनों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि 293 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में से 79 पोषण वाटिकाएं एवं 58 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 105 स्वीकृत शौचालयों में से 37 प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत 479 आंगनवाड़ी कार्यों में से 103 पूर्ण, 362 प्रगतिरत एवं 14 अप्रारंभ हैं। अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सहायिका एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर नियुक्ति में हो रही अनावश्यक देरी पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि नियुक्ति प्रक्रिया में हुई देरी के कारणों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समयबद्ध रूप से कार्यवाही सुनिश्चित नहीं की गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आर.एस. बघेल सहित सीडीपीओ एवं संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

बड़वानी में राज्यपाल ने वितरित किए दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं पोषण आहार

बडवानी। भिलट देव धाम, ग्राम नागलवाड़ी (जिला बड़वानी) में सुशीलादेवी उमरावसिंह पटेल सेवा संस्थान द्वारा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं पोषण आहार वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता के संस्कारों से प्रेरित होकर सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने जो सेवा का संकल्प लिया है, वह अत्यंत प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। उन्होंने स्वर्गीय सुशीला देवी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में संचालित सेवा संस्थान निरंतर पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। राज्यपाल ने बताया कि संस्था द्वारा टी.बी. रोगियों को पोषण आहार, सिकल सेल जांच, व्यापक जागरूकता तथा विभिन्न प्रकार की निःशुल्क जांच-परामर्श सेवाएँ पिछले चार वर्षों से सतत रूप से प्रदान की जा रही हैं, जिससे समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को सीधा लाभ मिल रहा है। इसी अवसर पर सांसद अभियान 'हर ग्राम-एक काम (ग्रामहिते राष्ट्रहिते)' का शुभारंभ राज्यपाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस जनसंवाद एवं विकास अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पंचायत में केंद्र, केंद्र-प्रायोजित एवं राज्य शासन की योजनाओं के माध्यम से कम से कम एक ठोस जनकल्याणकारी कार्य पूर्ण करना है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँच सके। अभियान के अंतर्गत सांसद प्रत्येक पंचायत में प्रवास कर युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों से संवाद करेंगे, उनकी आवश्यकताओं को ठोस विकास कार्यों एवं अवसरों में परिवर्तित करेंगे, स्वरोजगार-रोजगार के नए मार्ग सृजित करेंगे तथा स्थानीय उद्योगों एवं लघु व्यवसायों को प्रोत्साहित करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य सहित गणमान्यजन डॉ. प्रकाश शास्त्री ने अपने विचार व्यक्त किए।

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा बैठक संपन्न

गुना। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन,सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री कन्याल ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को 90 प्रतिशत से अधिक स्कोर प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कृषि उपसंचालक को निर्देशित किया कि जिले में संचालित सभी हार्वेस्टर मशीनों में स्ट्रॉ रीपर (भूसा बनाने वाली मशीन) लगाना अनिवार्य किया जाए। यदि कोई हार्वेस्टर बिना स्ट्रॉ रीपर के संचालित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैठक में कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र को जिले की अर्थव्यवस्था में मजबूत आधार बताते हुए कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि जिले में फसल उत्पादन के लिए अनुकूल

पृष्ठभूमि है। क्रॉप पैटर्न में परिवर्तन कर आर्थिक वृद्धि को गति दी जा सकती है। उन्होंने गुलाब और अमरूद जैसी फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इस दौरान म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित 'जिज्जी की पंचायत' एवं रेस्ट्रोमार्ट के सफल संचालन के लिए जिला पंचायत द्वारा पूर्व में तात्कालिक आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया था। रेस्ट्रोमार्ट के सफल संचालन के पश्चात संबंधित सरस्वती समूह द्वारा सहयोग राशि की प्रथम किश्त का चेक कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी की उपस्थिति में जिला पंचायत को सौंपा गया। बैठक में जनगणना कार्य के प्रशिक्षण के लिए आए भोपाल से ट्रेनर श्री मनोज द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि जिले में इस बार डिजिटल जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था, जिला स्तरीय अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों व मास्टर ट्रेनरों की संख्या सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया दिनांक 17 एवं 18 फरवरी को जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित होगा। जनगणना के प्रथम चरण में दिनांक 01 से 30 मई 2026 तक मकानों की गणना होगी, जबकि द्वितीय चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना होगी।

प्रगतिशील किसानों के सुझाव, व्यावहारिक समस्याओं के समाधान पर संवाद

गुना। जिले में नरवाई/ पराली प्रबंधन को लेकर प्रशासन ने एक बार फिर सक्रिय पहल की है। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कृषक संगठनों एवं प्रगतिशील किसानों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित कर खेतों में अवशेष न जलाने, वैकल्पिक तकनीकों के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी तय की गई।

बैठक में कृषि विभाग, पर्यावरण विभाग तथा विभिन्न कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर नरवाई प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा की। कृषि उपसंचालक ने बताया कि खेतों में अवशेष जलाने से मिट्टी के सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिससे भूमि की उर्वरता व उत्पादकता घटती है, जल धारण क्षमता कम होती है और प्रदूषण के साथ स्थानीय तापमान में भी वृद्धि होती है। यह नुकसान सीधे तौर पर किसानों और स्थानीय आबादी को प्रभावित करता है। वैज्ञानिक विकल्पों की जानकारी देते हुए बताया गया कि कंबाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, स्ट्रॉ रीपर, सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर और मल्चर जैसे यंत्रों का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। जिले में नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए अब तक 292 से अधिक कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश शासन के पर्यावरण विभाग तथा एअर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) एक्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के अनुसार खेतों में अवशेष जलाना प्रतिबंधित है। नियमों के उल्लंघन पर 2 एकड़ तक के कृषकों पर 2500, 2 से 5 एकड़ तक 5000 और 5 एकड़ से अधिक भूमि धारकों पर 15000 प्रति घटना का जुर्माना निर्धारित है। इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा जिले में पराली प्रबंधन की स्थिति में पहले की तुलना में सुधार हुआ है और नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी आई है। इसे आगे भी बनाए रखने के लिए किसान-प्रशासन के बीच इशू तरह समन्वय जरूरी है। उन्होंने गुलाब, अमरूद जैसी उन्नत फसलों की खेती को जिले का उभरता मॉडल बताते हुए आधुनिक व वैज्ञानिक खेती से आय बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान किसानों ने भी अपने सुझाव रखे और व्यावहारिक समस्याएं साझा कीं, जिनका मौके पर समाधान किया गया। अंत में उपस्थित सभी कृषकों ने पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने और नरवाई नहीं जलाने का सामूहिक आश्वासन दिया। प्रशासन ने अपील की है कि स्वच्छ वातावरण, स्वस्थ मिट्टी और बेहतर फसल उत्पादन के लिए किसान वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाएं और जिले को प्रदूषण-मुक्त बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय व क्षेत्रीय मसलों पर होगी चर्चा

पीएम मोदी का इजराइल दौरा 25-26 को

[illegible]

[illegible]

भारत अत्यंत शक्तिशाली देश

[illegible]

2017 के बाद रिश्तों में आया बड़ा मोड़

[illegible]

शाह ने राष्ट्रपति को सौंपा राजभाषा समिति का प्रतिवेदन

[illegible]

अबू सालेम की याचिका पर सुनवाई से SC का इनकार

[illegible]

दिल्ली पुलिस के स्थापना दिवस पर बोले गृह मंत्री अमित शाह- मोदी सरकार के 12 साल देश की आंतरिक सुरक्षा के इतिहास में स्वर्ण युग

नक्सली हिंसा अंतिम चरण में, अगले माह समाप्त हो जाएगी

एजेंसी | नई दिल्ली

[illegible]

[illegible]

दस परियोजनाओं का शिलान्यास

[illegible]

पूर्वोत्तर में 10,000 युवाओं ने हथियार डाले

[illegible]

सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछेगा

[illegible]

क्या करेगा आई4सी केंद्र

[illegible]

आतंकवाद विरोधी अभियानों को बढ़ावा

[illegible]

SIR में लापरवाही और कदाचार

EC ने प. बंगाल के सात अधिकारी किए निलंबित

एजेंसी | नई दिल्ली

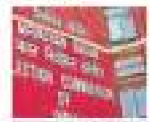

[illegible]

'तार्किक विसंगति' मामले में सुनवाई से इनकार

[illegible]

न्यूजक्लिक व प्रधान संपादक पर 184 करोड़ का जुर्माना

[illegible]

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव का मामला

नौ जजों की पीठ करेगी सुनवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

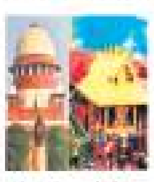

[illegible]

बैंक धोखाधड़ी मामले में धूत व 12 अन्य को नोटिस

[illegible]

जमीन के बदले नौकरी घोटाला

कोर्ट ने लालू यादव व राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय किए

एजेंसी | नई दिल्ली

[illegible]

संपादकीय

बांग्लादेश के जेन-जी ने वंशवाद स्वीकार किया?

बांग्लादेश में 2024 के जैन–जी विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। अब बांग्लादेश में नया चुनाव हो गया है। इस चुनाव में बांग्लादेश की वंशवादी पार्टी के वंशज तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी ले आगे आए हैं। बांग्लादेश में युवाओं ने वंशवादी पार्टी को भारी मात्रा में समर्थन देकर सत्ता तक पहुंचाया है। विद्रोह के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में जो अंतरिम सरकार बनी थी, उसके बाद बांग्लादेश में कुछ हद तक सामान्य स्थिति देखने को मिली थी। तारिक रहमान के माता और पिता दोनों ही प्रधानमंत्री बन चुके हैं। 2007 में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, और उनको जेल भी हुई थी। शेख हसीना की सरकार ने उन्हें कई मामलों में आरोपी ठहराया था। बांग्लादेश में हुए विद्रोह के बाद 2024 में जब अंतरिम सरकार बनी, उस समय उनके ऊपर लगे आरोपों को समाप्त कर दिया गया था। 2026 में उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा और एक बड़ी जीत हासिल की। 12 फरवरी को बांग्लादेश में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए। शेख हसीना पर चुनाव में धांधली कराने का आरोप लगा था। उसकी तुलना में इस चुनाव में इस तरह का कोई आरोप देखने को नहीं मिला है। 2024 में शेख हसीना की मजबूत सत्ता को गिराने वाले युवाओं के नेतृत्व ने इस चुनाव में जो परिणाम दिए हैं, उसने सभी को आश्चर्यचकित किया है। युवा बदलाव के प्रतीक होते हैं। बांग्लादेश के युवाओं ने स्थाई शासन के लिए वंशवादी पार्टी को स्वीकार किया, जिसके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। युवाओं ने आरोपों पर ध्यान न देते हुए तारिक रहमान के ऊपर जो विश्वास जताया, उससे यह बात स्पष्ट है, युवा पीढ़ी जोश में होते हुए भी होश नहीं खोती है। वर्तमान प्रधानमंत्री तारिक रहमान अभी तक कोई संवैधानिक पद पर नहीं रहे हैं। लेकिन वह पार्टी के अंदर प्रभावशाली माने जाते हैं। 2007 में शेख हसीना की सरकार ने उन्हें जेल भेजा था। उसके बाद वह इलाज के लिए बांग्लादेश छोड़कर लंदन चले गए थे। शेख हसीना के शासनकाल में उनके ऊपर कई आरोप लगाए गए थे। 2024 में जब अंतरिम सरकार बनी तब सारे फैसले पलट दिए गए। वह 17 साल के बाद बांग्लादेश लौटे, शेख हसीना के प्रति गुस्सा और तारिक रहमान के प्रति सहानुभूति इस चुनाव में देखने को मिली है। शेख हसीना की सरकार में जिन राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित किया गया था, वे इस चुनाव में नई भूमिका में आ गए हैं। इस समय बांग्लादेश आर्थिक एवं कूटनीतिक दबाव को झेल रहा है। बांग्लादेश अल्पविकसित देशों की सूची में शामिल है। उसके सामने इससे बाहर निकलने का लक्ष्य है। भारत सरकार ने शेख हसीना को शरण दी है। जिसके कारण भारत और बांग्लादेश के संबंध में तनाव बना हुआ है। इसी बीच बांग्लादेश, अमेरिका–चीन और पाकिस्तान के करीब आया है। वर्तमान प्रधानमंत्री रहमान के सामने लोकतंत्र को संभालने की सबसे बड़ी चुनौती है। आर्थिक दबाव से भी उन्हें बाहर निकलना है। अमेरिका चीन और भारत के साथ संबंधों में संतुलन बनाने की चुनौती बांग्लादेश की है। जिन युवाओं ने उन्हें सत्ता के शिखर में पहुंचाया है वह भी सम्मान और अवसर मिलने की उम्मीद में है। बांग्लादेश की नई सरकार युवाओं की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी, इस बात की आशा की जा सकती है। तारिक रहमान को प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाने के लिए युवाओं और बांग्लादेश की आवाम ने उन पर जो भरोसा जताया है, यदि वह उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं दे पाए, तो वह ज्यादा दिनों तक सत्ता पर काबिज नहीं रह पाएंगे। युवा पीढ़ी ज्यादा समय तक इंतजार नहीं करती है।

व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा

जीत हार सत्ता विपक्ष जीवन में आते रहते हैं लोग चुनाव में हार जीत को लेकर आपस में व्यक्तिगत शत्रु हो जाते हैं और अंहकारी हो जाते हैं लेकिन एक समय के बाद ऐ खत्म होने लगता है, यश, पद, सत्ता, धन आदि के लिए लोगों के पीछे घूमने से आप आत्म–प्रतिष्ठा खो देंगे, तथा कुछ न मिलेगा और यदि मिला भी तो वह प्रतिष्ठा की कीमत चुकाने से दु:खद हो जायगा। प्रयत्न का अर्थ आत्म–पतन नहीं होना चाहिए।दृढ़ विश्वास रखो कि चरित्र का अपना ही एक महत्व है। चरित्र की दृढ़ता मन को सम्बल प्रदान करती है। आध्यात्मिकता मनुष्य को पलायन नहीं सिखाती है, बल्कि उसके अन्तर्जगत् को सुव्यवस्थित कर उसे कर्म की ओर प्रवृत्त करती है तथा उसे समभावजनित स्थायी सुख एवं शान्ति प्रदान करती है। अध्यात्म एक विज्ञान है, एक कला है, एक दर्शन है। अध्यात्म मानव के जीवन में जीने की कला के मूल रहस्य को उद्घाटित करा देता है। आध्यात्मिक वातावरण मानों मन के जख्मों को धोकर, उन पर दिव्य मरहम लगाकर मानव को मानसिक स्वस्थता प्रदान करता है। ध्यान का दैनिक अभ्यास स्वास्थ्य एवं शांति के लिए निद्रा की भाँति परम आवश्यक है। थकने पर निद्रा कैसी सुखदा प्रतीत होती है। निद्रा आने पर मनुष्य श्रेष्ठ संगीत, भोग्य पदार्थ एवं भौतिक सत्ता को भी भूल जाता है। वे हेय हो जाते हैं। मनुष्य की जाग्रत अवस्था में ध्यान, अन्तरंग का एक गहन सुख होता है, जो अनिर्वचनीय है। जीवन में भव्यतम क्या है, इसका दर्शन ध्यान द्वारा ही संभव है। इसकी तुलना में समस्त सुख फीके प्रतीत होने लगते हैं। ध्यान कोई तन्त्र–मन्त्र नहीं है। मन को विपरीत दिशा में अर्थात् बाहर से भीतर की ओर ले जाना और उसे विचारों के स्त्रोत्र के साथ जोड़ देना एक कला है, जिसे ध्यान कहते हैं। ध्यान मन की एकाग्रता नहीं है, बल्कि मन को भीतरी चेतना के साथ जोड़ना है। ध्यान एक साधना है, जिसके द्वारा हम अपने भीतर आत्मानन्द उपजाते हैं। केसर सब स्थानों पर उत्पन्न नहीं होता है; उसके लिए उपयुक्त स्थान खोजना होता है तथा एक विशेष पद्धति अपनाकर अथक परिश्रम करना होता है। वे सब इच्छाएं और भय हमारे ही हैं, जो हमें अनजाने ही दु:खी रखते हैं। वे हमें भीड़ की भाँति घेरकर मानो पकड़ लेने का प्रयत्न करते हैं। धैर्य रखें तथा तटस्थ द्रष्टा ही रहकर अपने भीतर के गहरे स्तर को भी देखते ही रहें। वास्तव में अवचेतन मन भी गतिमान तो निरन्तर रहता है, किंतु हमें इसी अवस्था में ही उसका यह ज्ञान होता है । तब हमारे अवधान के समक्ष अवचेतन मन उद्घटित अथवा नग्न होकर दीखने लगता है। अवचेतन (अचेतन) के अतल गह्वरों में उतरने पर, समस्त संस्कारों, इच्छाओं, आशाओं, निराशाओं, स्मृतियों की परतों को उठाकर, अथवा उनका भेदन कर गहरे स्तर पर चेतना की निर्ग्रन्थ, निर्मल, अखण्ड सत्ता का संदर्शन एवं संस्पर्श हो जाता है। नित्यप्रति ऐसा अभ्यास करने पर ध्यान की पूर्वावस्था में धीरे–धीरे चेतन तथा अवचेतन मन प्राय: शान्त होने लगेंगे और उनकी चंचलता शिथिल अथवा न्यूनतम हो जायेगी। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका गर्व भूलकर भी साधक को नहीं करना चाहिए। सत्य का अनुसंधता सदैव विनम्र रहता है। व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा होती है। चरित्र ही आपकी सच्ची सत्ता है आपकी असली पहचान और शक्ति, आपकी प्रतिभा या धन–दौलत से कहीं ज़्यादा आपके नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और व्यवहार से बनती है। चरित्र आपको जीवन की कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है, सम्मान दिलाता है, और दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है।

लोग तो आपको अपनी दृष्टि से देखते हैं, आत्म–प्रेक्षपण करते हैं। जिनकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत तिन देखी तैसी। दुष्ट लोग सन्तों को घुन्ना, छिपा रुस्तम, बना हुआ पाखंडी, ऊँचा कलाकार कह देते हैं और उन्हें दुष्ट सिद्ध करने का प्रयत्न करते हैं। किसी के गुणप्रकर्ष को न जा सकने से उसकी निंदा होने पर आश्चर्य नहीं है। न वेत्ति यो यस्य गुणप्रकर्ष स तं सदा निन्दति नात्र चित्रम् । यथा किराती करिकुम्भजातां मुक्तां परित्यज्य बिभर्ति गुञ्जाम्। लोग तो अपने स्तर पर रहकर ही तथा अपनी शिक्षा और संस्कारों के अनुसार ही आपका मूल्याकांन करेगे। वे आपके स्तर पर उठकर आपको कैसे देखें ? किंतु कुछ लोग तो जान–बूझकर गुणों को देखते ही नहीं और दोषों को ही देखते हैं। दुष्ट को दूसरों को दोष ही दिखाई देते हैं, गुण नहीं दीखते। सुंदर मणियों से विनिर्मित भवन में भी चींटी छिद्र ही ढूंढती है–सुन्दरमणिमयभवने पश्यति पिपीलिका रन्ध्रम्। छिद्रान्वेषण करना दुष्टों का स्वभाव होता है। दोषदर्शन से कटुता उत्पन्न होती है। सर्प और बिच्छु प्रकृतिवाले दुष्ट वाले (सैडिस्ट) दिनभर इसी में सुख मानते हैं कि आज कितने लोगों को रुला दिया और कितने लोगों को सता दिया। वे दूसरों को सताने में, दूसरों का अकारण अपमान करने में सुख मानते हैं। आप उनसे कितने ही बचें, वे आपको नहीं छोड़ते। वे बनावटी प्रेम दिखाकर खून चूस लेते हैं। अपनी स्वार्थ–सिद्धि के लिए आपके पेट में घुसकर आपसे काम ले लेते हैं और आपको आवश्यकता होने पर वे आपको सहायता देने के बजाय हानि पहुँचाने में सक्रिय हो जाते हैं तथा अपने क्रूर अत्याचार को सिद्धान्तों का जामा पहनाकर स्वयं अच्छे, भले नजर आते हैं। ऐसे व्यक्ति जब उच्च पदाधिकारी अथवा धन के कारण सत्ताधारी हो जाते हैं, तो त्राहि–त्राहि मच जाती है। उनके दमन का डटकर प्रतिरोध करते हुए भी उन्हें प्रेम से ही सुधारा जा सकता है। सन्त उन्हें क्षणा ही करते हैं। साधुपुरुष संकट में भी उत्तम स्वभाव का परित्याग नहीं करते। कपूर आग में जलने पर सुगान्धित हो जाता है। स्वभावं न जहात्यन्त: साधुरापद्गतोऽपि सन्। कर्पूर: पावकप्लुष्ट: सौरभं भजतेतराम्। निन्दक को धन्यवाद दो। यदि नाटक में खलनायक (विलेन) न हो, तो नायक (हीरो) के व्यक्तित्व में चमक न आयेगी। विश्वास रखो कि समाज में एक दिन आपकी सत्यनिष्ठा का मान अवश्य होगा। वास्तव में निंदक आपके नाम को चमकाने में लगे हुए हैं।

समाज में अपनी तथा दूसरों की निन्दा सुनकार उसे अपने सारे व्यक्तित्व में न समाने दें। शिव ने विष पीकर कण्ठ में धारण कर लिया और जनहित में जटाजूट से पतति–पावनी गंगा को प्रवाहित कर दिया। कटुता सहकर भी समाज के लिए उपयोगी बनने से ही आपकी पूजा होगी। समाज में अपमान और कष्ट के विष का पान करके भी अमृत उगलनेवाले महापुरुष समाज के सच्चे उपकारक होते हैं। दूसरों की चुगली करना और सुनना दोनों ही पतनकारक हैं। दूसरे की द्वेषप्रेरित झूठी चुगली सुनकर उस पर विश्वास कर लेना भूल है। केवल कानों से सुनी हुई ही नहीं, आँखों से देखी हुई बातें भी अनेक बार गलत सिद्ध हो जाती है। अपना विवेक खोकर तुरंत विश्वास कर लेना संकट उत्पन्न कर देता है। जाँच–पड़ताल के बाद ही भलाई और बुराई का निश्चय करना चाहिए। सद्भावना से प्रेरित होकर, किसी के सद्गुणों की सराहना एवं प्रशंसा करना सदैव उचित है, क्योंकि प्राय: प्रशंसा सदगुणों को प्रोत्साहन देती है। हम दूसरों का सत्कार करें। किंतु चापलूसी न करें और झूठ हाँ में हाँ न करें, क्योंकि कोई मनुष्य परमात्मा नहीं है। केवल परमात्मा ही परमात्मा है, मनुष्य केवल मनुष्य ही है।

भारत में एआई का वैश्विक महाकुंभ- इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एक नए तकनीकी युग की दिशा

वैश्विक स्तरपर 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परिदृश्य के केंद्र में स्थापित कर दिया है। नई दिल्ली में आयोजित यह पाँच दिवसीय महाकुंभ केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने वाला मंच बनकर उभरा है। इस समिट के साथ आयोजित एआई एक्सपो में लगभग 65 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक स्टार्टअप्स की उपस्थिति 13 देशों केपवेलियन 2.5 लाख से अधिक संभावित आगंतुक, 500 से अधिक सत्र और 3250 से अधिक वक्ता एवं पैनल सदस्य शामिल हो रहे हैं, जो वैश्विक स्तरपर रेखांकित करने वाली बात है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि़ यह आयोजन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास, कूटनीतिक परिपक्वता और नवाचार–नेतृत्व की स्पष्ट अभिव्यक्ति है।पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तरपर एआई को लेकर दो प्रमुख विमर्श सामने आ सकते हैं,एक ओर विनाशकारी जोखिम, नियामक ढांचा और नैतिकता; तो दूसरी ओर नवाचार, समावेशन और विकास। भारत इस समिट के माध्यम से इन दोनों ध्रुवों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।जहाँ पूर्ववर्ती वैश्विक चर्चाएँअधिकतर जोखिमों और नियंत्रण पर केंद्रित थीं, वहीं नई दिल्ली इस बहस को जिम्मेदार,समावेशी और विकासोन्मुख एआई की दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रही है। यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का है एआई को भय का नहीं, बल्कि अवसर का माध्यम मानने का दृष्टिकोण।

साथियों बात कर हम इस महत्वपूर्ण समिट को समझने की करें तो समिट का उद्घाटन 16 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शाम 5 बजे एआई एक्सपो के उद्घाटन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में उन्होंने एआई को मानवता के लिए परिवर्तनकारी शक्ति बताते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य केवल तकनीकी उपभोक्ता बनना नहीं, बल्कि वैश्विक एआई आर्किटेक्चर के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनना है। उनके संबोधन में यह स्पष्ट संदेश था कि भारत एआई को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और सतत विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना चाहता है।एआई एक्सपो इस समिट का जीवंत और व्यावहारिक आयाम है। यहाँ विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियाँ,उभरते स्टार्टअप्स, विश्वविद्यालय,अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक ही मंच पर उपस्थित हैं।13 देशों के पवेलियन ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्ज़रलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया ताजिकिस्तान और अफ्रीका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व एआई इकोसिस्टम में वैश्विक सहयोग की भावना को दर्शाते हैं। ये पवेलियन केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि तकनीकी साझेदारी,निवेश अवसर और नीति संवाद केएक प्रमुख केंद्र बन गए हैं।

साथियों बात अगर हम इस सबमिट की रूपरेखा को समझने की करें तो, 17 फरवरी को समिट का दूसरा दिन एप्लाइड एआई पर केंद्रित होगा।स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, कृषि,महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग पर विस्तृत चर्चाएँ होंगी।स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स, टेलीमेडिसिन और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स की संभावनाओं पर विचार किया जायेगा।ऊर्जा क्षेत्र में स्मार्ट ग्रिड और कार्बन उत्सर्जन मॉनिटरिंग पर एआई के उपयोग को रेखांकित किया गया।शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने (पर्सनलाइज्ड लर्निंग) और एआई ट्यूटरिंग सिस्टम्स की संभावनाएँ सामने होंगी । कृषि में प्रिसीजन फार्मिंग, मौसम पूर्वानुमान और सप्लाई चेन ऑप्टिमाइजेशन जैसे उदाहरण प्रस्तुत हो सकते हैं। इस दिन प्रमुख नॉलेज कम्पेंडियम्स और केसबुक्स भी जारी होंगें , जो नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के लिए संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोगी होंगे।18 फरवरी को आयोजित रिसर्च सिम्पोज़ियम और इंडस्ट्री सेशन ने अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच पुल का कार्य होगा।शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और थिंक टैंकों ने अत्याधुनिक एआई अनुसंधान, उभरती पद्धतियों और साक्ष्य- आधारित नीति अंतर्दृष्टि प्रस्तुत होंगी।इस मंच पर एआई मॉडल की पारदर्शिता,एल्गोरिदमिक बायस, डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन विमर्श होगा।यह स्पष्ट होगा कि एआई का भविष्य केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं, बल्कि नैतिकता और जवाबदेही पर भी आधारित होगा।19 फरवरी को 20 से अधिक देशों के नेताओं की उपस्थिति ने इस समिट को वैश्विक राजनीतिक महत्व प्रदान किया जायेगा। इस दिन एआई पर सामूहिक प्रतिबद्धताओं, वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ करने और आने वाले एआई दशक में भारत की भूमिका को परिभाषित करने पर चर्चा होंगी। उच्च- स्तरीय सीईओ राउंडटेबल में वैश्विक उद्योग नेताओं, निवेशकों और नीति निर्माताओं ने जिम्मेदार एआई के भविष्य पर विचार-विमर्श जायेगा।यहाँ यह स्वीकार किया गया कि एआई से रोजगार के स्वरूप में बदलाव आएगा, परंतु साथ ही नई नौकरियों और कौशलों की मांग भी उत्पन्न होगी।

साथियों बात अगर हम रोजगार का प्रश्न इस समिट के माध्यम से समझने की करें तो यह केंद्रीय चिंता होंगी.कई वैश्विक सीईओ और एआई शोधकर्ताओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि ऑटोमेशन और जनरेटिव एआई के कारण पारंपरिक नौकरियों पर खतरा मंडरा सकता है। परंतु समिट में यह भी रेखांकित किया जा सकता है कि एआई डेटा साइंस,मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग साइबर सुरक्षा, एआई एथिक्स और मानव- एआई सहयोग जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियाँ सृजित करेगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अवसर है कि वह कौशल विकास और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर इस परिवर्तन को सकारात्मक दिशा दे।

साथियों बात अगर हम एआई और सुरक्षा का मुद्दा इसको समझने की करें तो यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठा सकता है, साइबर हमले,डीपफेक, डेटा दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जोखिमों पर विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की। इस संदर्भ में बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया जायेगा।एआई के सैन्य उपयोग और स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर भी विचार होगा,जिसमें जिम्मेदार उपयोग और अंतरराष्ट्रीय मानकों की आवश्यकता को रेखांकित किया जायेगा डेटा सेंटर और पर्यावरणीय प्रभाव का प्रश्न भी चर्चा का महत्वपूर्ण विषय होगा। बड़े-बड़े डेटा सेंटर ऊर्जा की भारी खपत करते हैं और कार्बन उत्सर्जन बढ़ा सकते हैं। समिट में ग्रीन एआई, ऊर्जा-कुशल चिप्स और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित डेटा सेंटर की अवधारणा पर विचार किया जा सकता है।यह स्पष्ट होगा कि तकनीकी प्रगति को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करना अनिवार्य है।

विजय-रश्मिका की शादी का कार्ड लीक?

सारा अर्जुन की फैन हुई कंगना

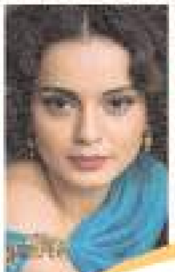

सलमान-शाहरुख खान की फिल्म पर लगा ताला

किसने दी हिमांशी खुराना को धमकी?

जब मालूम हुआ कि मिस्ट्री गर्ल निकली मायशा

'अगर हार मान ली तो...'

'किंग' के लिए अभिषेक बच्चन ने अपनाया नया लुक

पहले सगाई, फिर टूटी शादी...

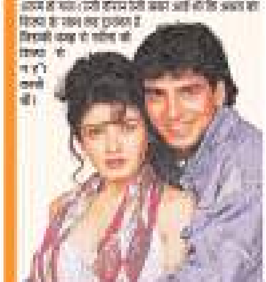

वीणा दीप प्रोडक्शन के बैनर तले तैयार किया गया होली स्पेशल गीत 'लाल है गुलाल'

आश्रम स्थापना महोत्सव संपन्न:श्रद्धालुओं ने लिया जीवदया का संकल्प

इंदौर। बायपास स्थित जयगुरुदेव आश्रम के तीन दिवसीय स्थापना महोत्सव का सोमवार को भव्य समापन हुआ। इस आध्यात्मिक महाकुंभ के अंतिम दिन वक्ताओं ने सादा जीवन और उच्च विचारों पर बल देते हुए कहा कि भौतिकता की अंधी दौड़ ही आज मनुष्य के दुखों का मूल कारण है। यदि मनुष्य गुरु के बताए मार्ग पर चले, शाकाहार अपनाए और अपने आचरण को श्रेष्ठ बनाए, तो वह सांसारिक कष्टों से स्वतः ही मुक्त हो सकता है। तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में मध्यप्रदेश के 30 से अधिक जिलों सहित उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब और चंडीगढ़ जैसे राज्यों से 20 हजार से अधिक अनुयायियों ने शिरकत की। समापन अवसर पर समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए अन्ना महाराज का विशेष सम्मान किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के समाधान पाटिल, महेंद्र सिंह (हरदोई) और सुशील कुमार लुल्ला ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। योगेश बोबडे ने बताया कि मिर्जापुर स्थित आश्रम में समापन के दौरान हजारों अनुयायियों ने न

केवल शाकाहार और जीवदया का संकल्प लिया, बल्कि बड़ी संख्या में जिज्ञासुओं ने नाम दान ग्रहण कर गुरु मार्ग पर चलने का प्रण किया। आश्रम के अध्यक्ष चतर सिंह राजावत, मोहन सलवारिया और छोटेलाल जायसवाल ने बताया कि आश्रम में अनुयायियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आगामी समय में शाखा प्रचार और सेवा गतिविधियों के विस्तार की विशेष रूपरेखा तैयार की गई है। आयोजन के दौरान वालंटियर्स के अनुशासन और सेवा भाव की सभी अतिथियों ने सराहना की।

हौसलों को मिलेगी यारियां की ढाल तनाव मुक्त भविष्य गढ़ेंगे विद्यार्थी

इंदौर। प्रतियोगी परीक्षाओं की आपाधापी और रैंक की अंधी दौड़ के बीच इन्दौर जिला प्रशासन ने छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के लिए एक संवेदनशील पहल की है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 'यारियां - द फ्रेंड्स क्लब' अभियान का सोमवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस नवाचार के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया कि सफलता का मार्ग मानसिक शांति से होकर गुजरता है। कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला सलाहकार समिति की बैठक में कोचिंग संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे विद्यार्थियों के लिए केवल शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि एक सपोर्ट सिस्टम के रूप में कार्य करें।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन, सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी और शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि इन्दौर एक एजुकेशन हब है, जहाँ हजारों विद्यार्थी अपने माता-पिता से दूर रहकर हॉस्टल या किराये के कमरों में संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में एकाकीपन और परीक्षाओं का दबाव उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर सकता है। प्रशासन का यारियां क्लब इन्हीं विद्यार्थियों को भावनात्मक संबल और विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करेगा।

प्रशासन ने विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 जारी किया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इस हेल्पलाइन के साथ-साथ हर कोचिंग संस्थान में फेस-टू-फेस काउंसलिंग की स्थायी व्यवस्था होनी चाहिए। शासकीय हॉस्टलों में विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो नियमित रूप से छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और समाधान सुनिश्चित करेंगे। कोचिंग संचालकों से कहा गया है कि वे विद्यार्थियों से नियमित संवाद बनाए रखें और उन्हें तनाव मुक्त रहने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराएं। बैठक में केवल अकादमिक तनाव ही नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ी अन्य विकृतियों पर भी गंभीर चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशा मुक्ति के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं। उन्होंने दोटूक कहा कि समाज के ये बच्चे हमारी सामूहिक जिम्मेदारी हैं। कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन के इस मानवीय नजरिए की सराहना की और अभियान के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता और सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

मिलावटखोरों पर नकेल, इंदौर में तीन खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई

इंदौर। शुद्ध के लिए युद्ध के संकल्प के साथ इंदौर जिला प्रशासन ने मिलावटखोरों के विरुद्ध अपनी मुहिम तेज़ कर दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के विशेष दलों ने सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गुणवत्ता में कमी और शिकायतों के आधार पर तीन बड़े प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। प्रशासन की इस सतत कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप का माहौल है।

जाँच दल ने सर्वप्रथम एफएसएसएआई से प्राप्त शिकायत के आधार पर स्कीम नंबर 71 स्थित शुभम सोहन पपड़ी प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता के अनुसार उत्पाद का स्वाद और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं थी। अधिकारियों ने मौके से सोहन पपड़ी के दो नमूने विधिवत सील किए। कार्रवाई के अगले चरण में टीम ने स्कीम नंबर 71 में ही कुणाल इंडस्ट्रीज पर दबिश दी। यहाँ काला नमक और मिर्च का निर्माण किया जा रहा था। दल ने मौके से लाल मिर्च, रेड चिल्ली फ्लेक्स, खड़ा

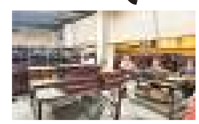

काला नमक और काला नमक पाउडर के नमूने जाँच हेतु एकत्रित किए। इसके उपरांत, धार रोड स्थित ममता नगर की सहयोग बेकरी का औचक निरीक्षण किया गया। यहाँ टोस्ट निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की शुद्धता संदिग्ध पाए जाने पर टोस्ट, शक्कर और तिल्ली के कुल चार नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, संकलित किए गए सभी नमूनों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत परीक्षण हेतु भोपाल स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विश्लेषण रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर द्वारा गठित तीन अलग-अलग दल जिले में मिठाई, मसालों और अन्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए अपना अभियान आगे भी जारी रखेंगे।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, पांच अधिकारियों पर लगाई पेनल्टी

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सुशासन और जन-शिकायतों का त्वरित निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय-सीमा पत्रों (टीएल) की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में देरी और लापरवाही बरतने वाले पांच अधिकारियों पर तत्काल पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने दोटूक कहा कि शिकायतों का केवल निराकरण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि वह गुणवत्तापूर्ण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप होना चाहिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन, एमपीआईडीसी सीईओ हिमांशु प्रजापति, अपर आयुक्त नगर निगम आकाश सिंह, अपर कलेक्टर रोशन राय एवं रिंकेश वैश्य सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की रैंडम समीक्षा की और पाया कि कुछ विभागों में प्रक्रियाओं को अनावश्यक रूप से लंबित रखा गया है, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम स्तर तक आयोजित होने वाले शिविरों का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का डेटाबेस तैयार कर उनका समय-सीमा में निपटारा किया जाए। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए ताकि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने चेतावनी दी कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को बिना ठोस कारण एल-1 (प्रारंभिक स्तर) से एल-2 पर भेजना अधिकारियों की अक्षमता माना जाएगा। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को स्वयं व्यक्तिगत रुचि लेकर पेंडेंसी कम करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सुशासन का अर्थ ही जनता को बिना परेशानी के सेवाएं उपलब्ध कराना है और इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इंदौर में क्षीर धारा ग्राम योजना का आगाज़ अब वैज्ञानिक पद्धति से बढ़ेगा दुग्ध उत्पादन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप इन्दौर जिले में पशुपालकों की आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन में क्रांतिकारी वृद्धि के लिए क्षीर धारा ग्राम योजना का शुभारंभ किया गया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुओं का स्वास्थ्य संरक्षण, नस्ल सुधार और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से दूध उत्पादन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

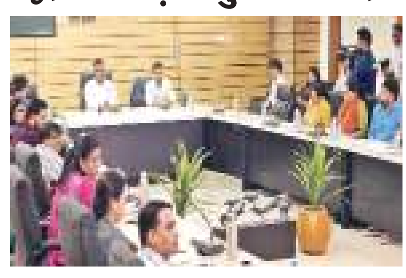

बैठक में जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन सहित पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में डेयरी लाइवस्टॉक मिशन के अंतर्गत शत-प्रतिशत पशुधन का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पशुपालन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना अनिवार्य है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पशुओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण चारा और पोषक आहार उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमित टीकाकरण अभियान चलाया जाए। नस्ल सुधार कार्यक्रमों के माध्यम से उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पशुओं का स्वास्थ्य जितना बेहतर होगा, पशुपालकों की आर्थिक स्थिति उतनी ही सुदृढ़ होगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि उन्नत पशुपालन तकनीकों को ग्राम स्तर तक पहुँचाया जाए। योजना के तहत एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्राकृतिक खेती करने वाले कृषकों को अनिवार्य रूप से पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग की योजनाओं से जोड़ा जाए। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आय के साधन मिलेंगे, बल्कि जैविक खेती के लिए आवश्यक खाद और संसाधनों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने की सख्त हिदायत दी गई है।